vinetur

तीसरी तिमाही में जर्मन वाइन की घरेलू बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 43.5% हुई

घरेलू वाइन की कीमत 1.8% बढ़ने के बाद उस पर खर्च स्थिर रहा, जबकि आयातित वाइन की बिक्री मात्रा के लिहाज से 9.7% घटी

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



तीसरी तिमाही में घरेलू खरीदारी के दौरान जर्मन वाइन ने आयातित ब्रांडों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया, हालांकि देश का समूचा वाइन बाजार सिकुड़ता रहा।

बुधवार, 11 नवंबर को जारी एक रिपोर्ट में जर्मन वाइन इंस्टीटचूट ने कहा कि घरेलू बाजार में जर्मन वाइन पर खर्च पिछले साल के लगभग बराबर रहा, जबकि आयातित वाइन की बिक्री मात्रा और मूल्य—दोनों में तेज गिरावट आई। इंस्टीटचूट ने NielsenIQ से करवाए गए एक अध्ययन और जर्मन परिवारों की खरीदारी से जुड़े एक सांख्यिकीय बुलेटिन का हवाला दिया।

जर्मनी में तीसरी तिमाही के दौरान परिवारों की कुल वाइन खरीद मात्रा के लिहाज से 2025 की इसी अवधि की तुलना में 6.3% गिर गई। इसी अवधि में वाइन पर उपभोक्ताओं का खर्च 4.8% घटा। इस कमजोर बाजार में जर्मन वाइन की बिक्री

मात्रा 1.7% कम हुई, जबकि उस पर खर्च 0.1% बढ़ा। आयातित वाइन का प्रदर्शन कहीं खराब रहा : खरीदी गई मात्रा 9.7% और खर्च 9.0% घटा।

आंकड़े दिखाते हैं कि सिकुड़ते बाजार में घरेलू उत्पादकों की हिस्सेदारी बढ़ी है, न कि बाजार फिर से वृद्धि की राह पर लौटा है। मात्रा के आधार पर परिवारों की वाइन खरीद में जर्मन वाइन की हिस्सेदारी एक साल पहले के 41.3% से बढ़कर 43.5% हो गई, यानी 2.2 प्रतिशत अंक की वृद्धि।

तीसरी तिमाही के आंकड़ों में पिछली तिमाही की तुलना में गिरावट की रफ्तार भी धीमी दिखी। इंस्टीटचूट के अनुसार, कुल वाइन मात्रा में सालाना गिरावट दूसरी तिमाही के 7.7% से घटकर तीसरी तिमाही में 6.3% रही। इसका मतलब है कि बाजार अब भी सिकुड़ रहा था, लेकिन पहले जितनी तेजी से नहीं।

जर्मन वाइन इंस्टीटचूट ने कहा कि घरेलू वाइन से होने वाली आय में अपेक्षाकृत स्थिरता का संबंध जर्मन वाइन की औसत कीमत में 1.8% की वृद्धि से था। इस बढ़ोतरी ने कम बिक्री मात्रा की भरपाई करने में मदद की। समूह ने कहा कि कम कीमत वाले वर्ग—प्रति 0.75 लीटर बोतल 1.49 यूरो से 1.99 यूरो तक—और प्रति 0.75 लीटर 5 यूरो से अधिक कीमत वाले वर्ग, दोनों में बढ़त दर्ज की गई।

11 नवंबर को प्रकाशित सामग्री में रिपोर्ट ने बाजार के कुल आकार के आंकड़े लीटर या यूरो में नहीं दिए और न ही साल-दर-साल तुलना योग्य वर्ष-से-अब तक का कुल आंकड़ा पेश किया। इंस्टीटचूट ने तीसरी तिमाही के बदलावों को इस संकेत के रूप में पेश किया कि मुश्किल खुदरा माहौल में जर्मन वाइन विदेशी वाइन के मुकाबले अधिक टिकाऊ साबित हो रही है, लेकिन इसे स्थायी सुधार की शुरुआत कहने से परहेज किया।

खुदरा कारोबार के रुझान से यह भी पता चला कि उपभोक्ता कहां से खरीदारी कर रहे थे। इंस्टीटचूट ने कहा कि इस अवधि में वाइन खरीद के मामले में डिस्काउंट चेन और छोटे खाद्य खुदरा स्टोर अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने वालों में शामिल थे। इससे संकेत मिलता है कि बाजार पर दबाव का लाभ उन बिक्री माध्यमों को मिल रहा है जहां खरीदार आम तौर पर कीमत को लेकर अधिक सजग रहते हैं।

जर्मन वाइन के भीतर उत्पादों को लेकर पसंद में भी बदलाव आया। इंस्टीटचूट ने कहा कि घरेलू सफेद वाइन की पकड़ लगातार मजबूत हुई और इसकी बाजार हिस्सेदारी एक साल पहले की इसी अवधि के 51% से बढ़कर 54% हो गई। उसके मुताबिक, यह रुझान तीसरी तिमाही तक सफेद और रोज़े वाइन की ओर उपभोक्ताओं के लगातार बढ़ते झुकाव को दर्शाता है।

ये आंकड़े जर्मनी के खुदरा वाइन बाजार में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर पड़ रहे दबाव को रेखांकित करते हैं। एक साल में आयातित वाइन की घरेलू बिक्री मात्रा करीब दसवें हिस्से तक गिर गई—यह जर्मन वाइन की गिरावट से कहीं अधिक और पूरे बाजार की गिरावट से भी ज्यादा थी। मूल्य के लिहाज से अंतर लगभग इतना ही बड़ा रहा : आयातित वाइन 9.0% नीचे रही, जबकि घरेलू वाइन में 0.1% की वृद्धि हुई।

हालांकि, रिपोर्ट की कुछ अहम सीमाएं भी हैं। NielsenIQ के आंकड़े परिवारों के एक पैनल पर आधारित हैं, इसलिए इनमें रेस्तरां, बार और घर से बाहर की अन्य जगहों पर होने वाली खपत शामिल नहीं है। खर्च के आंकड़े नाममात्र मूल्य पर हैं, यानी वे कीमतों में बदलाव के साथ-साथ उपभोक्ताओं की खरीद में आए बदलाव भी दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए, जर्मन वाइन की औसत कीमत बढ़ने का यह जरूरी मतलब नहीं कि उत्पादकों ने सभी उत्पादों पर एकसमान बढ़ोतरी की।

जर्मन वाइन इंस्टीटचूट ने कहा कि यह तय करने के लिए आगे की कई तिमाहियों के आंकड़ों की जरूरत होगी कि हालिया नतीजे टिकाऊ बदलाव का संकेत हैं या मुश्किल बाजार में केवल अस्थायी राहत। फिलहाल, तीसरी तिमाही के नतीजे जर्मन वाइन में अपेक्षाकृत कम गिरावट, घरेलू उत्पादकों की आय में स्थिरता और जर्मन परिवारों की दुकानों से खरीदी गई आयातित बोतलों में कहीं अधिक तेज गिरावट दिखाते हैं।